

Research Project

“Effect of Jatayadi ghrita (An ayurvedic medicine) in cancerous wound healing”

Collaboration with

GOVERNMENT CANCER HOSPITAL INDORE
GOVERNMENT ASHTANG AYURVED COLLEGE INDORE

- ✓ Legal permission by the authority , superintendent Govt. cancer hospital Prof. Ramesh Arya on 13/12/2017
- ✓ Ayurvedic medicine *Jatayadi ghrita* in the pharmacy of
- ✓ Drug is authorized by ayurvedic formulary of India (A F I)
- ✓ Quality control parameter & TLC report has been done.
- ✓ Work is going on.... 60 cancer wound patients has been registered
- ✓ I made a clinical proforma for the study(Attached)
- ✓ Cancer wound healing is better than allopathic medicines
- ✓ Many cancer patients are coming for the Ayurvedic treatment

Permission for Research Work

Govt. Cancer Hospital, Indore
M. G. M. Medical College, M. Y. Hospital Campus, Indore (M.P.)
Phone No. - 0731-2524466, Fax No. - +91-731-2438107
Email : storecancerhospital@yahoo.com

क्रमांक/ /स्था/2017 इन्दौर दिनांक :- 13.12.2017

प्रति,
डॉ. बाबुल ताम्बकार,
प्र.प्रधानाचार्य/मुख्य कार्यपालन अधिकारी,
शासकीय स्वशासी अष्टांग आयुर्वेद महाविद्यालय,
इन्दौर (म.प्र.)

विषय :- कैंसर से पीड़ित रोगियों के घावों में आयुर्वेदीय औषधियों के प्रयोग के संबंध में ।
संदर्भ :- आपका पत्र क्र./2457-58/प्रशासन/2017 इन्दौर, दिनांक- 11/12/2017

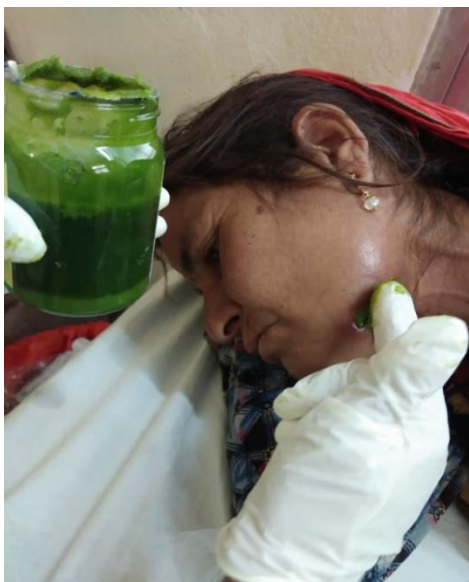
उपरोक्त विषयांतर्गत संदर्भित पत्र के संबंध में लेख है कि आयुर्वेद चिकित्सा विज्ञान के प्रचार, प्रसार एवं रोगियों के हितों को देखते हुये इस चिकित्सालय के रोगियों के लिये आयुर्वेदीय औषधियों के प्रयोग हेतु डॉ. अखलेश कुमार भार्गव, विभागाध्यक्ष- शल्यतंत्र, शासकीय स्वशासी अष्टांग आयुर्वेद महाविद्यालय, इन्दौर को स्वीकृति प्रदान की जाती है ।

अधीक्षक,
शासकीय कैंसर चिकित्सालय, इन्दौर

क्र.क्रमांक/ 3227 /स्था/2017 इन्दौर दिनांक :- 13.12.2017

प्रतिलिपि :- डॉ. अखलेश कुमार भार्गव, विभागाध्यक्ष- शल्यतंत्र, शासकीय स्वशासी अष्टांग आयुर्वेद महाविद्यालय, इन्दौर की ओर सूचनार्थ प्रेषित ।

अधीक्षक,
शासकीय कैंसर चिकित्सालय, इन्दौर



Treatment of cancer wound patients with ayurved medicines during research work



Treated Cancer Wound Patients with Ayurveda

40 से अधिक मरीजों का कर चुके इलाज

आयुर्वेद डॉक्टरों को मिली कैंसर अस्पताल में इलाज की अनुमति

दुबंग रिपोर्टर ■ इंदौर

आयुर्वेद कॉलेज के डॉक्टरों को अब कैंसर अस्पताल में मरीजों का इलाज करने की अनुमति मिल गई है। आयुर्वेद डॉक्टरों ने अब तक 40 से अधिक मरीजों पर खुद की बनाई दवाई लगाना भी शुरू कर दिया है। बताते हैं कि यह दवाई मरीजों के चेहरे व शरीर के अन्य हिस्से पर हुए घाव को बहुत जल्द ही ठीक कर देती है।

जानकारी के मुताबिक यह दवाई आयुर्वेद के डॉक्टरों ने सेंट्रल गवर्नमेंट की एक बुक के माध्यम से अस्पताल में खुद ही तैयार की है। इस दवाई का नाम जाल्पादिघृत है। शल्य चिकित्सा विभाग अध्यक्ष डॉ. अखिलेश भार्गव ने बताया कि आयुर्वेद अस्पताल राऊ में लंबे समय से कैंसर के मरीजों का इलाज किया जा रहा है। कुछ दिन पहले ही कैंसर अस्पताल से उभरे इलाज की अनुमति मिली, इसके बाद आयुर्वेद डॉक्टरों ने कैंसर अस्पताल के मरीजों का भी इलाज करना शुरू कर दिया है। उन्होंने बताया कि

कैंसर के मरीजों की धीरे-धीरे व अन्य तरह की चिकित्सा में अधिकांश बार मरीजों को घाव हो जाते हैं जो जल्द ही ठीक नहीं होते। इन्हीं घाव को जल्द ठीक करने वाली दवाई जाल्पादिघृत है। इस दवाई को शास्त्रीय अष्टांग महाविद्यालय के डॉक्टरों ने खुद ही तैयार किया है। इस दवाई में चमेली के पत्ते, नीम के पत्ते, करंज, गुलेटी, हरिद्रा आदि का मिश्रण है। आयुर्वेद डॉक्टर सबसे पहले मरीज का परीक्षण करते हैं कि उसे कितनी मात्रा में उक्त दवाई देना है। मरीजों के इलाज के लिए बकायदा आयुर्वेद डॉक्टरों को कैंसर अस्पताल जाना पड़ता है।

कई दवाइयों पर चल रहा है प्रयोग

सूत्रों के मुताबिक महाविद्यालय के डॉक्टर इसी तरह की और भी कई दवाइयों पर प्रयोग कर रहे हैं, यह दवाई किसी दूकान पर उपलब्ध नहीं रहती है। इन दवाइयों के लिए मरीज को राऊ या वेन्सरबाग स्थित सरकारी आयुर्वेद अस्पताल ही आना पड़ता है। सुबह से शाम तक इन दोनों अस्पताल में बड़ी संख्या में मरीज विभिन्न तरह का इलाज करवाने के लिए आते हैं।



Medicine prepared in Ras Shastra Department

**Quality Control Parameters of
Jatyadi Ghrta (Vrana Shodhanadi Ghrta)**

S.No.	Particulars	Limits	Observations
1.	Colour	: Yellowish Green	Yellowish Green
2.	Texture	: Unctuous to touch	Unctuous to touch
3.	Odour	: Pleasant	Pleasant
4.	Refractive Index at 40°C	: 1.452 to 1.464	1.459
5.	Weight per ml at 40°C	: 0.910g to 0.935g,	0.928g
6.	Saponification value	: 190 to 210	203
7.	Iodine value	: 35 to 45	39
8.	Acid value	: Not more than 3	2.3
9.	Peroxide value	: Not more than 5	3.9
10.	Congeeing point	: 21°C to 17 °C	21°C to 17 °C
11.	Mineral Oil	: Absent	Absent
12.	Microbial Limits	: Free from <i>E. coli</i> , <i>Ps.aeruginosa</i> , <i>St. pyogenes</i> , <i>S. aureus</i> , <i>St. pneumoniae</i>	Below Detection limits
13.	Aflatoxins	: Not more than 4µg/kg	-

Thin Layer Chromatographic Finger printing:

Sample Preparation: Extract 2 g of sample with 20 ml of *alcohol* at about 400 for 3 h. Cool, separate the alcohol layer, filter, concentrate to 5 ml.

Sample Volume: 10 µl

Developing Distance: 8 cm

Mobile Phase Composition: *toluene : ethyl acetate : hexane* (60 : 30 : 10, %v/v/v)

Development of Plate: dry in air .

Development Reagent: spray with *ethanol-sulphuric acid reagent* followed by heating at 100 °C for about 10 min.

Identification of spots:

S.No.	Rf	Colour
1.	0.12	light grey
2.	0.29	Grey
3.	0.5	dark brown
4.	0.59	Brown
5.	0.69	brown
6.	0.85	light grey

Results: The given sample of ghrta passes the quality control parameters.